ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड V अंक 9 दिसम्बर 2013

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में :

- भुवनेश्वर में एसी और एबीसी तथा अन्य प्रायोजित परियोजनाओं पर राज्य स्तरीय कार्यशाला
- **माह का कृषिउद्यमी**

श्री. जगदीश धनानी

- **माह का संस्थान**

जागृति फाउंडेशन, विशाखापट्टणम

- श्रीमती सरिता रेड्डी आईएसबी में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार से सम्मानित

कृषिउद्यमी मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें 1800 –425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

भुवनेश्वर में एसी और एबीसी योजना" और सरकार द्वारा प्रायोजित अन्य कार्यक्रमों से संबंधित राज्य स्तरीय कार्यशाला

भुवनेश्वर, ओडिशा में "एग्री क्लीनिक एवं एग्री बिजनेस सेंटर योजना" और सरकार द्वारा प्रायोजित अन्य कार्यक्रमों से संबंधित राज्य स्तरीय कार्यशाला 26 दिसंबर 2013 को आयोजित की गई। राज्य के वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, ओएससीबी, एनटीआई, ओडिशा से निदेशक, नाबार्ड से जीएम और सीजीएम तथा हैदराबाद मैनेज से सलाहकार ने कार्यशाला में भाग लिया।

श्री. एस.एम. सहासत्रीबुद्धे, जीएम, नाबार्ड, ने अपने स्वागत भाषण में, एसी और एबीसी योजना के बारे में एक संक्षिप्त परिचय दिया, जिसमें जनता विस्तार के प्रयासों के पूरक और कृषि पेशेवरों के लिए लाभकारी स्वरोजगार के अवसर पैदा करने की कल्पना भी की। ओडिशा क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक ने योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसान विस्तार सेवाओं के लिए भुगतान करने के इच्छुक थे, इसलिए उन्होंने बैंकों से अनुरेध कियो कि वे वित्तीयषोण द्वारा कृषिउद्यम स्थापित करने को तैयार कृषिउद्यमियों के लिए इस योजना को गंभीरता से लागू करें। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि समय के साथ-साथ इस योजना में कई संशोधन किए गए और सामान्य और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों के लिए क्रमशः 36% और 44% के दर से अधिकतम सब्सिडी की गई।

एसी और एबीसी योजना को मजबूत बनाने के लिए तैयार किए गए कार्य बिंदु हैं:

- एसी और एबीसी योजना के तहत बैंकर्स द्वारा उन लोगों के साथ लंबित प्रस्तावों को निपटाना और अनुरोधों को सब्सिडी के लिए नाबार्ड को भेजना।
- 31 मार्च 2014 से पूर्व प्रत्येक बैंक द्वारा एसी और एबीसी के लिए कम से कम 5 परियोजना प्रस्तावों का वित्तपोषण।
- ग्रामीण भंडारण योजना, एएमआईजीएस, डीईडीएस, पीवीसीएफ आदि के संबंध में सब्सिडी आवेदनों के आगे भेजने के लिए बैंकरों द्वारा समय सीमा का ध्यान रखा जाना चाहिए।
- सभी जोनल कार्यालयों/क्षेत्रीय द्वारा कार्यालयों एसी और एबीसी और अन्य सरकारी प्रायोजित कार्यक्रमों के दिशा निर्देशों को शाखाओं में भेजा जाना।
- एसी और एबीसी योजना के तहत कम से कम एक परियोजना को सभी बैंकों की प्रत्येक शाखा द्वारा वित्तपोषण किया जाना।जानकारी के लिए सभी **ww.agriclinics.net** पर लॉग ऑन कर सकते हैं।

श्री जगदीश धनानी के डिजिटल-एग्रीमीडिया : ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीन पत्रकारिता

गांधीनगर, गुजरात के निवासी 49 वर्षीय श्री जगदीश धनानी, कहते हैं, "कृषि विज्ञान और पत्रकारिता में स्नातकोत्तर होने के नाते, मैं जानता हूँ, कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कृषि जानकारी के प्रसार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बहुत तेजी से दर्शकों के विशाल समुदाय तक पहुंच रहा है। यह न केवल सूचना के प्रसार के लिए बल्कि कृषि क्षेत्र में नए विचारों और व्यवहारों में किसानों के हित के लिए प्रेरक वास्तविक साधन के रूप में कार्य करता है।" वर्ष 2005 में उन्होंने कृषि पर निर्मित वीडियो फिल्मों से अपना कैरियर शुरू किया। जैविक खेती और कीट प्रबंधन पर एक वृत्तचित्र फिल्म के निर्माण के लिए उन्होंने कृषि और बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड गुजरात से अपना पहला काम लिया और इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा, जिसने उन्हें विभिन्न कंपनियों और संगठनों से अधिक कार्य लेने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार, वह परिवार के भरण-पोषण के लिए सक्षम बने। उनकी उच्च योग्यता के बावजूद, एसी और एबीसी योजना के लाभों को प्राप्त करने के बाद, वे अपनी उद्यमिता कौशल बढ़ाने और व्यापार का विस्तार करने के लिए, पब्लिक लीडरशिप इंटरनेशनल स्कूल (आईएसपीएल), अहमदाबाद में 60 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल हो गए। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने कई स्थापित कृषिउद्यमों का दौरा किया और व्यावसायिक कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला को अच्छी तरह से समझा।

श्री जगदीश धनानी, ग्राहकों के साथ

डिजिटल एग्रीमीडिया की प्रमुख गतिविधियों तीन श्रेणियों में विभाजित हैं:

1 . डिजिटल एग्रीमीडिया : व्यावसायिक सेवा (वाणिज्यिक)

- वृत्तचित्र, लघु फिल्म, कॉर्पोरेट फिल्म : 235 से ज्यादा
- विज्ञापन, गीत, क्विकिज़ और इसके सृजन : 300 से अधिक
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए विज्ञापन एजेंसी: ईटीवी, टीवी9, वीटीवी , डीडी , जीपीटीएस और प्रसारण
- प्रिंट मीडिया के लिए विज्ञापन एजेंसी : दिव्य भास्कर, सन्देश, गुजरात समाचार आदि
- रेडियो के लिए विज्ञापन एजेंसी : आकाशवाणी, माई एफएम, रेडियो सिटी, रेडियो मिर्ची आदि

2. डिजिटल एग्रीमीडिया : किसान सेवा (गैर वाणिज्यिक)

- ई-साहित्य के रूप में एग्रीमिडिया फिल्म: गुजराती में 100 से अधिक फिल्मों और हिंदी में 25 से अधिक फिल्में
- ई-प्रौद्योगिकी पैकेज यानी एटीएमए गुजरात के लिए तकनीकी फिल्में : 110 से अधिक

3 . डिजिटल एग्रीमिडिया : एक प्रोफाइल

- फिल्म निर्माण के लिए तकनीकी टीम - कृषि विशेषज्ञ और पत्रकार
- ग्राहकों के रूप में 250 से अधिक कंपनियाँ/संगठन.
- ड्रिप सिंचाई पर जीजीआरसी फिल्म के लिए एफआईए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया।

अपने अनुभव बाँटते हुए श्री जगदीश ने कहा, "कृषि पद्धतियों पर वीडियो वास्तविक लग रहे थे और किसानों को उत्तेजित कर रहे थे। वे हर कार्रवाई को ध्यानपूर्वक देखकर रहे थे।" हम जानते हैं कि हम मुख्य रूप से निरक्षरों के लिए काम कर रहे हैं, नतीजतन, हम उन्हें शब्दों की तुलना में छवियों के साथ समझाने के लिए हाई रेज़लूशन तस्वीर की गुणवत्ता का प्रयेग करते हैं। चूंकि वीडियो स्थानीय और हिन्दी भाषा में बनाए जाते हैं उनकी पहुंच अधिक है। एग्री मिडिया द्वारा प्रायोजित सामाजिक जिम्मेदारी के आदर्श पर एक कृषि टेली-धारावाहिक, "समृद्धि तापके टिपे टिपे" हर रविवार और सोमवार को शाम 6.30 बजे से 7.00 बजे तक, दूरदर्शन गिरनार, गुजरात पर गुजराती में प्रसारित किया जाता है।. डिजिटल एग्री मिडिया अब तक 50,000 गांवों तक अपनी पहुँच चुका है और लगभग 3,65,000 किसानों को लाभान्वित किया है। फर्म Rs.1.20 करोड़ रुपये का सालाना कारोबार कर रही है और उनके वेतन रोल पर 7 कुशल कर्मी काम पर रखे गए हैं। **श्री जगदीश धनानी को उनके मोबाइल नंबर - 09427050733, और ईमेल आईडी jagdishdhanani@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है।**

जागृति फाउंडेशन ग्रामीण विकास, विशाखापट्टनम, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के माध्यम से ग्रामीण जीवन की बेहतरी के लिए काम कर रही एक सीएसआर

क्षेत्रीय दौरे के दौरान कृषिउद्यमी

ग्रामीण इलाकों में गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाली ग्रामीणों को उनके जीवन स्तर को ऊपर लाने में मददगार ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट कार्यक्रम उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण जनता तक पहुंचने का जागृति फाउंडेशन ग्रामीण विकास का मुख्य उद्देश्य रहा है। इस फाउंडेशन अगस्त 2005 में शुरू किया गया। निगमित सामाजिक दायित्व पुजारी के एजुकेशन ट्रस्ट की पहल है। कुछ पेशेवरों के महान प्रयासों के साथ, जागृति फाउंडेशन ने ग्रामीण भारत की अशिक्षा, बेरोजगारी, खराब स्वास्थ्य, उचित आवास एवं स्वच्छता और बाल श्रम की कमी के मूल समस्याओं के समाधान की मांग की। जागृति फाउंडेशन के पास पेशेवर स्वयंसेवकों, शिक्षकों और कर्मचारियों का एक प्रभावी और अच्छी तरह से समन्वित टीम है जो ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में लगातार काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। फाउंडेशन एक अच्छी शिक्षा प्रणाली, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रोग्राम, बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता, उन्नत कृषि पद्धतियों, परिवेशी पहल और महिला सशक्तिकरण के लिए सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों की मदद से भारत की ग्रामीण लोगों द्वारा झेली जा रही सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का समाधान करता है। एक स्केलेबल संस्थागत ढांचा विकसित करके, नवीन कौशल प्रशिक्षण और प्लेसमेंट कार्यक्रमों के माध्यम से बेहतर आजीविका के अवसर, सुविधा और आधारभूत सुविधा के द्वारा गरीबी उन्मूलन पर जागृति फाउंडेशन का ध्यान केंद्रित है।

एसी और एबीसी गतिविधियों के बारे में जागृति के नोडल प्रशिक्षण संस्थान (एनटीआई) की मुख्य उपलब्धियां

1. संकाय के रूप में बैंकर्स/स्थानीय कृषि अधिकारी/ कृषिउद्यमी आमंत्रित
2. नर्सरी, डेयरी और पोल्ट्री प्रबंधन के प्रदर्शन के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना
3. प्रगतिशील किसानों के साथ उम्मीदवारों की बातचीत की व्यवस्था करना
4. कृषि प्रकाशन और कृषि उद्यमिता पत्रिकाओं से युक्त एक पुस्तकालय को बनाए रखना
5. अपने संबंधित क्षेत्र में एक बेहतर विचार प्राप्त कर उद्यम स्थापित करने के लिए स्थापित कृषिउद्यमियों साथ प्रशिक्षुओं को जोड़ना

चयन प्रक्रिया और सहायक गतिविधियों : उम्मीदवारों के चयन एसी और एबीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार जांच समिति द्वारा किया गया। उनके हित के क्षेत्रों में कृषिउद्यम स्थापित करने के लिए सभी उम्मीदवारों को सहायता प्रदान की गई। प्रशिक्षित कृषिउद्यमियों समर्थन देने एसी और एबीसी योजना के बारे में बैंकरों को जागरूक करने के लिए नियमित बैठकों और कार्यशालाएं आयोजित की गई। संबंधित बैंकर्स/कृषि अधिकारी, प्रशिक्षित कृषिउद्यमियों और सफल उद्यमियों का एक डेटाबेस भाविष्य की आवश्यकताओं के लिए सुरक्षित रख दिया जाता है।

श्री वी. पुजारी, अध्यक्ष

जागृति फाउंडेशन के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें :
जागृति फाउंडेशन,इंडो अमेरिकन घाटी, संकरम (ग्राम),
अनाकापल्ले मंडल, विशाखापत्तनम -531001, आंध्र प्रदेश.वी जीवन रेड्डी, कार्यक्रम प्रबंधक,
फोन: 9573401631 ईमेल: jeevan@jagruti.net, www.jagruti.net

"मेहनत हमेशा फल देती है", सफल महिला कृषिउद्यमी - श्रीमती एम. सरिता रेड्डी द्वारा एक प्रतिज्ञान

श्रीमती सरिता रेड्डी

श्रीमती एम. सरिता रेड्डी, प्रबंध निदेशक नवरत्न फसल विज्ञान प्रा.लि., हैदराबाद को "गोल्डमैन सैच्स 10,000 महिला उद्यमियों के लिए महिला सर्टिफिकेट कार्यक्रम" के एक भाग के रूप में स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद में आयोजित बिजनेस प्लान प्रतियोगिता में "सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार 'से सम्मानित किया गया।

श्रीमती सरिता रेड्डी आंध्र प्रदेश की महिला कृषिउद्यमियों के बीच उच्च स्थान हासिल किया है। नवरत्न फसल विज्ञान प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, ने कार्बनिक जैव उर्वरक और गुणवत्ता इनपुटों की एक श्रृंखला उपलब्ध करवा कर रंगा रेड्डी जिले में 100 गांवों और पड़ोसी जिलें में 1000 किसानों को लाभ पहुंचाया। श्रीमती सरिता रेड्डी "कृषि उद्यमिता और प्रौद्योगिकी प्रबंधन के लिए व्यापार योजना विकास इकाई" की "परियोजना सलाहकार समिति", कृषि अनुसंधान प्रबंधन की राष्ट्रीय अकादमी (एनएएआरएम) की एक सदस्य हैं।

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

''प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि''

'कृषि उद्यमी' का प्रकाशन
श्री बी श्रीनिवास, आईएएस,
महानिदेशक, मैनेज, हैदराबाद द्वारा किया जाता है।
हमें संपर्क करें
कृषि उद्यमिता विकास केंद्र (सीएडी) राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन विस्तार संस्थान (मैनेज), राजेन्द्र नगर, हैदराबाद,
पिन–500030 आन्ध्र प्रदेश, भारत
हेल्पलाइन नं. : 1800 425 1556 (टोल फ्री)
ईमेल: **helplinecad@manage.gov.in**

प्रमुख संपादक : श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस
संपादक : डा. पी. चंद्रशेखर
सहायक संपादक : डा. लक्ष्मीमूर्ति
: **सुश्री ज्योति सहारे**